वित्तीय बाजार (Financial Market)

यह वह बाजार है जहाँ एक व्यक्ति जिसके पास अधिशेष मुद्रा है। एवं वह मुद्रा का निवेश करना चाहता है, जिसे हम निवेशक या लेनदार या ऋणदाता कहते हैं। एवं दूसरा व्यक्ति जिसके पास कम मुद्रा है एवं वह मुद्रा को प्राप्त करना चाहता है, जिसे हम ऋणी कहते हैं।

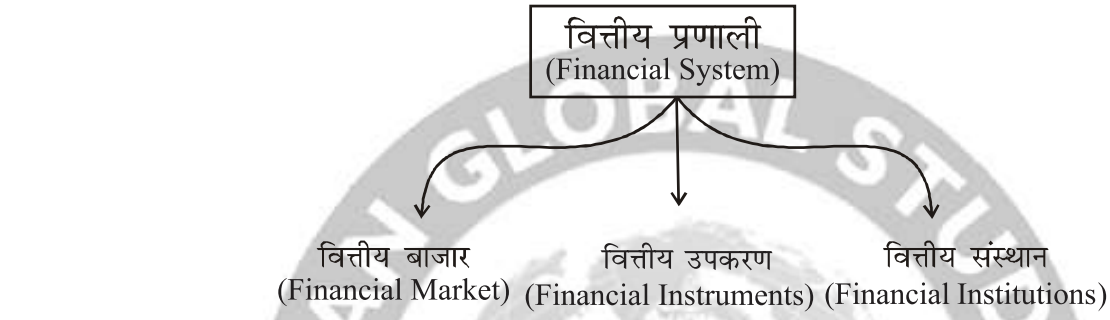

<u>वित्तीय बाजार में शामिल पक्ष-</u>

1. भारत सरकार
2. RBI
3. SEBI
4. Bank
5. NBFC
6. बड़े व्यवसायी (निगम) (Corporates)
7. व्यक्ति या ट्रस्ट
8. बीमा कम्पनी

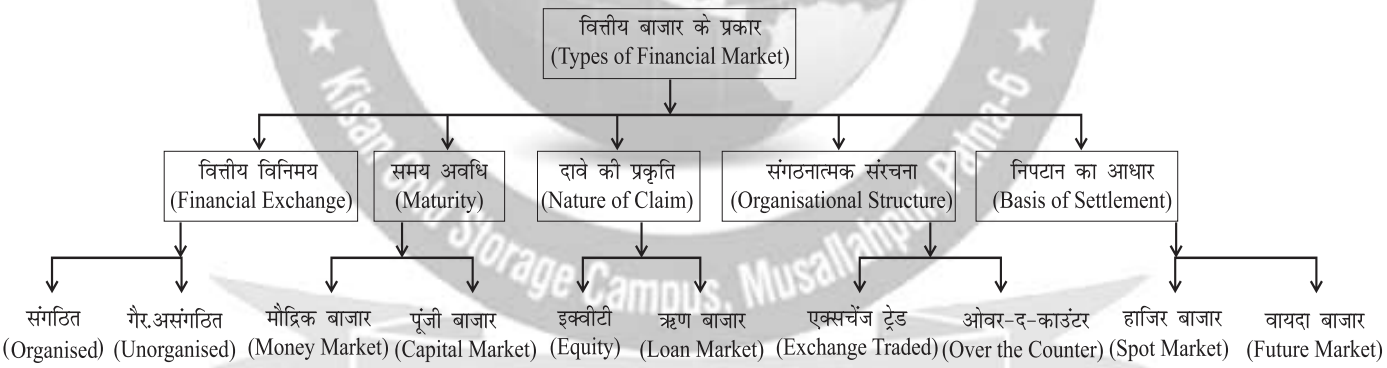

- इसका नियामक होता है अर्थात ये नियंत्रति किया जाता है (SEBI, RBI द्वारा)
- इसका कोई नियामक नहीं होता है इसे किसी भी कानून द्वारा शासित नहीं किया जाता। (साहूकार, मित्रों से पैसों का लेन-देन)

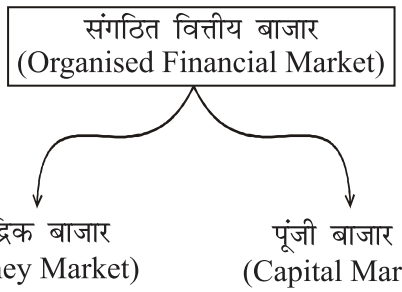

मुद्रा बाजार एवं पूंजी बाजार में अंतर–

मुद्रा बाजार		पूँजी बाजार	
1.	यह अल्पकालिक से संबंधित है।	1.	यह दीर्घकालीन से संबंधित है।
2.	1 वर्ष से कम अर्थात् 364 दिनों तक।	2.	1 वर्ष से अधिक
3.	RBI का नियंत्रण/ विनियमन	3.	SEBI द्वारा विनियमित
4.	अधिक तरलता	4.	कम तरलता
5.	कम Risk	5.	High Risk
6.	Over the Counter	6.	Exchange Trade
7.	अनौपचारिक	7.	औपचारिक

मुद्रा बाजार के उपकरण

1. वाणिज्यिक प्रपत्र (Commercial Paper)
2. राजकोषीय प्रपत्र [Treasury-Bill (T-Bills)]
3. जमा प्रमाणपत्र (Certificate of Deposits)
4. विनिमय का बिल (Bills of Exchange)
5. नकद प्रबंधन विपत्र (Cash Management Bill)
6. आर्थोपाय अग्रिम (Ways & Means Advance)
7. कॉल मुद्रा (Call Money)
8. नोटिस मुद्रा (Notice Money)
9. सावधि मुद्रा (Term Money)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत सरकार ने अखिल भारतीय थोक कीमत सूचकांक के लिये आधार वर्ष 2004-05 से बदलकर किस वर्ष बनाया है?
(a) 2010 – 11 (b) 2011 – 12
(c) 2012 – 13 (d) 2013 –1 4
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63 rd BPSC (Pre)

2. बैंक दर की आशय है–
(a) साहूकारों द्वारा लिया जाने वाला ब्याज दर
(b) अनुसूचित बैंकों द्वारा लिया जाने वाला ब्याज दर
(c) बैकिंग संस्थान की लाभ दर
(d) केंद्रीय बैंक द्वारा लिया जाने वाला आधिकारिक ब्याज दर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60–62th rd BPSC (Pre)

3. यदि भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा नकद कोष अनुपात (CRR) में कमी की जाती है। तो इसका साख-सृजन पर प्रभाव होगा–
(a) वृद्धि (b) कमी
(c) कोई प्रभाव नहीं (d) कोई अन्य नहीं
48–52th BPSC (Pre)

4. सामान्य रूप से मौद्रीक नीति का प्रधान लक्ष्य है–
(a) मुद्रा की आपूर्ति का नियंत्रण करना।
(b) निजी बैंकों का नियंत्रण करना।
(c) शेयर बाजार का नियंत्रण करना।
(d) बहुमूल्य धातु बाजार का नियंत्रण करना।
43rd BPSC (Pre)

5. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया निम्नलिखित में से किस मुद्रास्फीति सूचकांक का 'मुद्रास्फीति लक्ष्य' के लिये एंकर के रूप में उपयोग करती है?
(a) WPI (b) GDP अपस्फीति कारक
(c) CPI – संयुक्त (d) CPI – औद्योगिक कर्मी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre)2017

6. बैंक दर को बढ़ाने का प्रभाव कम हो जाएगा, यदि–
(a) SLR बढ़ा दी जाए (b) CRR बढ़ा दी जाए
(c) CRR कम कर दी जाए (d) (a) और (B)
Bihar SI (Mains), 2018

7. किसी वस्तु की कीमत में वृद्धि से क्या अभिप्रेरित है?
(a) केवल मुद्रा के मूल्य में वृद्धि
(b) केवल मुद्रा के मूल्य में गिरावट
(c) केवल वस्तु के मूल्य में वृद्धि
(d) मुद्रा के मूल्य में गिरावट और वस्तु के मूल्य में वृद्धि
Bihar SI (Pre), 2018

8. जब एक अर्थव्यवस्था अवस्फीति से गुजर रही हो, तो क्या उपाय अपनाने चाहिये?
a. प्रत्यक्ष करों को बढ़ा देना चाहिये।
b. ब्याज दर घटा देनी चाहिये।
c. सार्वजनिक व्यय बढ़ा देना चाहिये।
सही उत्तर चुनिये–
(a) केवल a (b) केवल b
(c) केवल b एवं c (d) केवल a एवं b
Bihar SI (Pre), 2018

9. वह दर जिस पर बैंक भारतीय रिजर्व बैंक को ऋण देते हैं, कहलाती है–
(a) नकद आरक्षित अनुपात (b) बैंक दर
(c) रिवर्स रेपो दर (d) वैधानिक तरलता अनुपात
Bihar ESI (Pre)2012